भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 521
24/07/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन से पहले द्वितीय ब्लू वार्ता

521. # श्री मोकरिया रामभाई:
श्री बृज लाल:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय ब्लू टॉक्स के प्रमुख उद्देश्य एवं उपलब्धियां क्या रही हैं, तथा यह आगामी तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के साथ किस प्रकार समन्वित है;
(ख) इस कार्यक्रम के दौरान जारी श्वेत पत्र – '' भारत की ब्लू इकोनॉमी का रूपांतरण: निवेश, नवाचार और सतत विकास''- के मुख्य निष्कर्ष एवं सिफारिशें क्या हैं;और
(ग) सतत महामहासागरीय प्रथाओं को बढ़ावा देने तथा एसडीजी 14 के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मंत्रालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय भागीदारों एवं हितधारकों के साथ कौन-कौन से सहयोगात्मक प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय ब्लू टॉक्स, फ्रांस के नीस में आयोजित तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (UNOC3) की तैयारी के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम था। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य (SDG 14) की प्राप्ति हेतु कार्रवाई योग्य प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने और सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र महासागर विज्ञान दशक का समर्थन करने हेतु नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, शीर्ष उद्योगपतियों और नागरिक समाज सहित प्रमुख हितधारकों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था।

चर्चा चार महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित थी जो तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के अनुरूप हैं: समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी प्रणालियों का संरक्षण और पुनर्स्थापन; महासागर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शिक्षा की उन्नति; भूमि आधारित समुद्री प्रदूषण का शमन; और महासागर, जलवायु और जैव विविधता के बीच संबंध।

(ख) श्वेत पत्र 'भारत की ब्लू इकोनॉमी का रूपांतरण' 2035 तक ब्लू इकोनॉमी क्षेत्रों में सतत विकास के लिए एक रणनीतिक निवेश रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत करता है, जिसमें अंतर-मंत्रालयी समन्वय चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है और समुद्री जीवन संसाधन, समुद्री परिवहन एवं अपतटीय नवीकरणीय ऊर्जा, तटीय पर्यटन एवं विरासत, तथा समुद्री जैव प्रौद्योगिकी एवं नवाचार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया है। समुद्री शैवाल की खेती और डिजिटल बंदरगाहों जैसी व्यापक पहलों पर प्रकाश डाला गया, जिन्हें ब्लू बॉन्ड और डिजिटल गवर्नेंस ढाँचे जैसे सक्षम तंत्रों द्वारा समर्थित किया गया।

यह पत्र ब्लू इकोनॉमी के लिए एक एकीकृत शासन ढाँचा बनाने, डेटा उपलब्धता में सुधार, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और 'ब्लू बॉन्ड' जैसे ब्लू फाइनेंस टूल्स की सिफारिश करता है। इसमें समुद्री अनुसंधान एवं विकास, उभरती प्रौद्योगिकियों और महासागरीय ऊर्जा परियोजनाओं में अधिक निवेश का आह्वान किया गया है। पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली, प्रदूषण नियंत्रण और सतत मत्स्य पालन के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता पर ज़ोर दिया गया है।

(ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने सतत महासागरीय पद्धतियों को बढ़ावा देने और सतत विकास लक्ष्य 14 (जल के नीचे जीवन) के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों और हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया है। इन प्रयासों में फ्रांस और कोस्टा रिका के दूतावासों के साथ साझेदारी में द्वितीय ब्लू टॉक्स जैसे बहुपक्षीय कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को वैश्विक महासागरीय शासन ढाँचों के साथ संरेखित करना है।

मंत्रालय संयुक्त राष्ट्र महासागर दशक (2021-2030) और तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन जैसे वैश्विक मंचों के साथ भी जुड़ता है, जहां भारत ने समुद्री प्रदूषण को दूर करने, पारिस्थितिक तंत्र को संरक्षित करने और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत प्रतिबद्धताओं, नवाचारों और पहलों को प्रस्तुत किया।

इसके अतिरिक्त, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय दुनिया भर के कई देशों और संस्थानों के साथ संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, महासागर प्रेक्षण प्रणालियों और डेटा-साझाकरण प्लेटफार्मों के माध्यम से वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देता है।

*****